स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)
अलीपुर, दिल्ली 110036
एवं

भारतीय अनुवाद परिषद

24, स्कूल लेन (बेसमेंट) बंगाली मार्केट,
नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

ऑनलाइन लघु अवधि
अनुवाद प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम
(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम की अवधि:
कुल 30 घंटे

18 जनवरी, 2021
से प्रारम्भ
जनवरी-फरवरी 2021

सोमवार से बृहस्पतिवार
सायं 4-6 बजे तक

गूगल मीट पर

योग्यता:
बी.ए., बी.कॉम., बी.एस.सी.
किसी भी अनुशासन के
विद्यार्थी

पंजीकरण की अंतिम तिथि:
17 जनवरी, 2021

पंजीकरण शुल्क:
300/- स्वामी श्रद्धानंद
कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए
500/- अन्य विद्यार्थियों के
लिए

पंजीकरण लिंक

उदघाटन सत्र

दिनांक : 18 जनवरी, 2021

समय : सायं 4.00 बजे से 6.00 बजे

रूपरेखा

अभिनंदन एवं संस्था परिचय

प्रो. प्रवीण गर्ग, प्राचार्य, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

विषय प्रवर्तन

प्रो. पूरनचंद टंडन, प्रो., हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

मुख्य अतिथि उद्बोधन

प्रो. बलराम पाणि, डीन ऑफ कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम संबंधी निर्देश

डॉ. प्रदीप कुमार, हिन्दी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. योगेश कुमार शर्मा, अँग्रेजी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

संयोजन

डॉ. विनीता कुमारी, हिन्दी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

समापन सत्र

दिनांक : 11 फरवरी, 2021

समय : सायं 4.00 बजे से 6.00 बजे

रूपरेखा

अभिनंदन एवं संस्था परिचय

प्रो. प्रवीण गर्ग, प्राचार्य, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

समापन उद्बोधन

प्रो. पूरनचंद टंडन

हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

मुख्य अतिथि उद्बोधन

प्रो. विकास गुप्ता

रजिस्ट्रार, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रमाण-पत्र वितरण मुख्य अतिथि द्वारा

धन्यवाद ज्ञापन

डॉ. प्रदीप कुमार, हिन्दी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

संयोजन

डॉ. विनीता कुमारी, हिन्दी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

संरक्षक

प्रो. प्रवीण गर्ग
प्राचार्य, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

प्रो. पूरनचंद टंडन
निदेशक,
भारतीय अनुवाद परिषद

पाठ्यक्रम संयोजिका
डॉ. विनीता कुमारी (9911140082)
एसोसिएट प्रो. (हिन्दी)

संयोजक (I.Q.A.C.)
डॉ. प्रदीप कुमार (9350217047)
असिस्टेंट प्रो. (हिन्दी)

सहयोग समिति

डॉ. योगेश कुमार शर्मा (अंग्रेजी)
9911582230

डॉ. अनिल कुमार (हिन्दी)
8130479556

डॉ. डी. आर. जलवानी (कॉमर्स)
9891803880

डॉ. रुचिका गुलाटी (अंग्रेजी)
9999927536

सुश्री आकांक्षा गुप्ता (कम्प्यूटर)
9891586509

अनुवाद पाठ्यक्रम की आवश्यकता

सदियों से भारत में भाषिक सम्प्रेषण के लिए अनुवाद की एक विशाल एवं समृद्ध परंपरा रही है परंतु वर्तमान में न केवल भारत में अपितु वैश्विक स्तर पर अनुवाद की मांग बढ़ गयी है। भाषिक सम्प्रेषण के अतिरिक्त विविध क्षेत्रों में आज अनुवाद की आवश्यकता अनुभव की जा रही है, परिणामस्वरूप ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, संचार, तकनीकी, प्रोद्योगिकी, विधि आदि विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी, गैरसरकारी, निजी कार्यालयों, संस्थाओं में योग्य, प्रशिक्षित एवं अनुवाद-कार्य में कुशल अनुवादकों की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए कॉलेज द्वारा इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा बनाई गयी है। योग्य, अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा यह पाठ्यक्रम करवाया जाएगा।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज की स्थापना 1967 में नरेला में हुई थी। दो वर्षों के पश्चात अलीपुर में स्थानांतरित कर दिया गया। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र के अतिरिक्त दिल्ली एवं देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 3000 विद्यार्थी यहाँ प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा प्राप्त करके लाभान्वित होते हैं। कॉलेज में कला, विज्ञान और वाणिज्य सभी क्षेत्रों के 15 पाठ्यक्रमों के शिक्षण के लिए योग्य, प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षक हैं। शिक्षा के साथ विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी विद्यार्थी भाग लेते हैं। कॉलेज में क्रिकेट का प्रशिक्षण प्राप्त करके विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनते हैं।

भारतीय अनुवाद परिषद

भारतीय अनुवाद परिषद के स्थापना 1964 में डॉ. गार्गी गुप्त द्वारा की गयी। परिषद द्वारा अनुवाद कला के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों के प्रशिक्षण हेतु एकवर्षीय व्यवसायोन्मुखी 'वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा पाठ्यक्रम' करवाया जाता है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर योग्य एवं आदर्श अनुवादक तैयार किए जा सके। यह पाठ्यक्रम भारत सरकार से मान्यता प्राप्त है। इसमें विविध विषयों के विशेषज्ञों एवं भाषाविदों द्वारा अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। परिषद द्वारा अनुवाद के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों को पुरस्कृत एवं सम्मानित भी किया जाता है। परिषद से त्रैमासिक 'अनुवाद' शोध पत्रिका भी नियमित रूप से प्रकाशित की जाती है।